नात्सीवाद और हिटलर का उदय

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» नात्सीवाद का परिचय और हेलमुट की कहानी

प्रश्न 1 (आसान). हेलमुट कौन था?
उत्तर – हेलमुट 11 साल का एक जर्मन लड़का था।

प्रश्न 2 (आसान). हेलमुट के पिता क्या थे?
उत्तर – हेलमुट के पिता एक जाने-माने चिकित्सक (डॉक्टर) थे।

प्रश्न 3 (मध्यम). हेलमुट के पिता क्यों डर रहे थे?
उत्तर – उन्हें डर था कि मित्र राष्ट्र उनके साथ वैसा ही बर्ताव करेंगे जैसा उन्होंने (नात्सियों ने) अपाहिजों और यहूदियों के साथ किया था।

प्रश्न 4 (कठिन). नात्सीवाद क्या सिर्फ घटनाओं का नाम है या उससे कुछ ज़्यादा?
उत्तर – नात्सीवाद सिर्फ इक्का-दुक्का घटनाओं का नाम नहीं है। यह दुनिया और राजनीति के बारे में एक संपूर्ण व्यवस्था, विचारों की एक पूरी संरचना का नाम है।

» द्वितीय विश्व युद्ध का अंत और नात्सी जर्मनी के अपराध

प्रश्न 5 (आसान). द्वितीय विश्व युद्ध कब समाप्त हुआ?
उत्तर – मई 1945 में।

प्रश्न 6 (आसान). न्यूरेम्बर्ग अदालत क्यों स्थापित की गई थी?
उत्तर – नात्सी युद्धबंदियों पर मुकदमा चलाने के लिए।

प्रश्न 7 (मध्यम). हिटलर ने अपनी हार के बाद क्या कदम उठाया?
उत्तर – उसने बर्लिन के एक बंकर में अपने परिवार और प्रचार मंत्री ग्योबल्स के साथ आत्महत्या कर ली।

प्रश्न 8 (कठिन). मित्र राष्ट्रों ने नात्सी अपराधियों को अपेक्षाकृत हल्की सज़ा क्यों दी?
उत्तर – क्योंकि वे पहले विश्व युद्ध के बाद जर्मनी पर थोपे गए कठोर दंड की पुनरावृत्ति नहीं करना चाहते थे, जिसे नात्सी जर्मनी के उदय का एक कारण माना गया था।

» वाइमर गणराज्य का जन्म

प्रश्न 9 (आसान). वाइमर गणराज्य की स्थापना किस शहर में हुई थी?
उत्तर – वाइमर

प्रश्न 10 (आसान). इस नए गणराज्य में किसे वोट डालने का अधिकार मिला था?
उत्तर – सभी वयस्क नागरिकों को, जिसमें महिलाएं भी शामिल थीं।

प्रश्न 11 (मध्यम). पहले विश्व युद्ध में जर्मनी की हार के बाद, वहाँ की राजनीतिक व्यवस्था में क्या बड़ा बदलाव आया?
उत्तर – सम्राट के पद त्याग के बाद, संसदीय पार्टियों ने एक लोकतांत्रिक संविधान के साथ वाइमर गणराज्य की स्थापना की।

प्रश्न 12 (कठिन). सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार से आप क्या समझते हैं, और वाइमर गणराज्य के लिए यह प्रावधान क्यों महत्वपूर्ण था?
उत्तर – सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का मतलब है कि देश के सभी वयस्क नागरिकों (पुरुष और महिला दोनों) को बिना किसी भेदभाव के वोट देने का अधिकार। वाइमर गणराज्य के लिए यह महत्वपूर्ण था क्योंकि इसने जर्मनी में सच्चे लोकतंत्र की नींव रखी और नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार दिया।

» वर्साय की संधि और उसके परिणाम

प्रश्न 13 (आसान). वर्साय की संधि किस देश पर थोपी गई थी?
उत्तर – जर्मनी

प्रश्न 14 (आसान). वर्साय की संधि के अनुसार जर्मनी पर कितना हर्जाना लगाया गया था?
उत्तर – छः अरब पौंड

प्रश्न 15 (मध्यम). वर्साय की संधि में जर्मनी को कौन-कौन से प्रमुख क्षेत्रीय नुकसान हुए?
उत्तर – जर्मनी को अपने उपनिवेश, लगभग 13% भूभाग, 75% लौह भंडार और 26% कोयला भंडार खोने पड़े।

प्रश्न 16 (कठिन). वर्साय की संधि के किन प्रावधानों ने जर्मनी की जनता में वाइमर गणराज्य के प्रति असंतोष पैदा किया होगा?
उत्तर – संधि में जर्मनी को युद्ध का एकमात्र अपराधी मानना ('युद्ध अपराध बोध अनुच्छेद'), उसकी सेना को भंग करना, और उस पर भारी 6 अरब पौंड का हर्जाना थोपना, इन सभी कठोर प्रावधानों ने जर्मन जनता में गहरे अपमान और नाराजगी की भावना पैदा की, जिससे उन्होंने वाइमर गणराज्य को इन सब का जिम्मेदार ठहराया।

» प्रथम विश्व युद्ध का सामाजिक और मनोवैज्ञानिक असर

प्रश्न 17 (आसान). प्रथम विश्व युद्ध के बाद यूरोप 'कर्ज़ देने वालों का महाद्वीप' से क्या बन गया?
उत्तर – 'कर्ज़दारों का महाद्वीप'

प्रश्न 18 (आसान). युद्ध के बाद समाज में किन्हें ज़्यादा सम्मान मिलने लगा?
उत्तर – सैनिकों को

प्रश्न 19 (मध्यम). प्रथम विश्व युद्ध के बाद समाज में पुरुषों के लिए किस तरह के गुणों को बढ़ावा दिया जाने लगा?
उत्तर – आक्रामक, ताकतवर और मर्दाना गुणों को।

प्रश्न 20 (कठिन). मीडिया में 'खंदकों के जीवन का महिमामंडन' का क्या अर्थ है और सच्चाई क्या थी?
उत्तर – इसका अर्थ है खंदकों में सैनिकों के जीवन को बढ़ा-चढ़ाकर और शानदार दिखाना, जबकि सच्चाई यह थी कि उनका जीवन बहुत मुश्किल था, जहाँ वे चूहे, ज़हरीली गैस और गोलाबारी के बीच रहते थे।

» जर्मनी में राजनीतिक रैडिकलवाद और स्पार्टकिस्ट लीग

प्रश्न 21 (आसान). जर्मनी में रैडिकलवाद से क्या अभिप्राय है?
उत्तर – गहरे और मौलिक राजनीतिक बदलाव की इच्छा।

प्रश्न 22 (आसान). स्पार्टकिस्ट लीग किस देश की क्रांति से प्रभावित थी?
उत्तर – रूस की बोल्शेविक क्रांति से।

प्रश्न 23 (मध्यम). स्पार्टकिस्ट लीग और वाइमर गणराज्य के बीच मुख्य टकराव का कारण क्या था?
उत्तर – स्पार्टकिस्ट लीग सोवियत-शैली की कम्युनिस्ट सरकार चाहती थी, जबकि वाइमर गणराज्य लोकतांत्रिक गणराज्य बनाना चाहता था।

प्रश्न 24 (कठिन). स्पार्टकिस्ट लीग के दमन के बाद जर्मनी की राजनीति पर क्या दूरगामी प्रभाव पड़ा?
उत्तर – दमन के बाद स्पार्टकिस्टों ने कम्युनिस्ट पार्टी बनाई, जिससे कम्युनिस्टों और समाजवादियों के बीच गहरी दुश्मनी पैदा हो गई। इस विभाजन के कारण वे भविष्य में हिटलर के खिलाफ कभी एकजुट नहीं हो पाए।

» 1923 का आर्थिक संकट: अति-मुद्रास्फीति

प्रश्न 25 (आसान). 1923 में फ्रांस ने जर्मनी के किस महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र पर कब्ज़ा किया था?
उत्तर – रूर (Ruhr)

प्रश्न 26 (आसान). अति-मुद्रास्फीति का मतलब क्या है?
उत्तर – जब चीज़ों की कीमतें बेतहाशा बढ़ जाती हैं।

प्रश्न 27 (मध्यम). जर्मनी ने 1923 में कर्ज़ और हर्जाना चुकाने से क्यों मना कर दिया था?
उत्तर – क्योंकि युद्ध-कर्ज़ और वर्साय संधि के हर्जाने के दोहरे बोझ से उसके सोने के भंडार लगभग खत्म हो गए थे।

प्रश्न 28 (कठिन). जर्मनी द्वारा अंधाधुंध नोट छापना 1923 के आर्थिक संकट में कैसे योगदान दिया?
उत्तर – जर्मन सरकार ने फ्रांस के रूर पर कब्ज़े के विरोध में बहुत ज़्यादा कागज़ी मुद्रा छापी। इससे जर्मन मार्क का मूल्य बहुत तेज़ी से गिर गया, चीज़ों की कीमतें आसमान छूने लगीं और देश में अति-मुद्रास्फीति की स्थिति पैदा हो गई। यह सब जर्मनी के आर्थिक संकट को और गहरा कर गया।

» डॉव्स योजना और जर्मनी में अस्थिरता

प्रश्न 29 (आसान). डॉव्स योजना किस देश ने शुरू की थी?
उत्तर – अमेरिका

प्रश्न 30 (आसान). डॉव्स योजना का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – जर्मनी के आर्थिक संकट को दूर करना और हर्जाने की शर्तें आसान करना।

प्रश्न 31 (मध्यम). डॉव्स योजना लागू होने के बाद जर्मनी में कब तक सापेक्ष स्थिरता रही?
उत्तर – 1924 से 1928 तक।

प्रश्न 32 (कठिन). डॉव्स योजना को एक अस्थायी समाधान क्यों माना जाता है?
उत्तर – क्योंकि यह जर्मनी की अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित कमजोरियों को दूर नहीं कर पाई और अमेरिकी ऋण पर निर्भर थी, जो बाद में वैश्विक मंदी के कारण संकट में आ गया।

» मंदी के साल: 1929 की आर्थिक महामंदी और जर्मनी पर प्रभाव

प्रश्न 33 (आसान). आर्थिक महामंदी की शुरुआत किस वर्ष हुई?
उत्तर – 1929

प्रश्न 34 (आसान). महामंदी के दौरान जर्मनी में कितने लोग बेरोजगार हो गए थे?
उत्तर – 60 लाख

प्रश्न 35 (मध्यम). वॉल स्ट्रीट एक्सचेंज क्या था और महामंदी से उसका क्या संबंध था?
उत्तर – वॉल स्ट्रीट एक्सचेंज अमेरिका का सबसे बड़ा शेयर बाज़ार था। 1929 में इसमें भारी गिरावट आई, जिससे दुनिया भर में आर्थिक महामंदी की शुरुआत हुई।

प्रश्न 36 (कठिन). जर्मनी की अर्थव्यवस्था पर महामंदी का इतना बुरा प्रभाव क्यों पड़ा, जबकि यह समस्या वैश्विक थी?
उत्तर – जर्मनी की अर्थव्यवस्था युद्ध हर्जाने और डॉव्स योजना के तहत अमेरिका के अल्पकालिक कर्ज़ों पर बहुत ज़्यादा निर्भर थी। जब अमेरिका में मंदी आई और कर्ज़ मिलना बंद हो गया, तो जर्मनी की कमज़ोर अर्थव्यवस्था तुरंत धराशायी हो गई, जिससे सबसे ज़्यादा नुकसान उसे ही झेलना पड़ा।

» वाइमर गणराज्य की राजनीतिक कमजोरियाँ

प्रश्न 37 (आसान). वाइमर गणराज्य में कौन सा नियम था जिसकी वजह से किसी एक पार्टी को बहुमत मिलना मुश्किल था?
उत्तर – आनुपातिक प्रतिनिधित्व

प्रश्न 38 (आसान). अनुच्छेद 48 का इस्तेमाल करके राष्ट्रपति क्या कर सकता था?
उत्तर – आपातकाल लागू कर सकता था और नागरिक अधिकार रद्द कर सकता था।

प्रश्न 39 (मध्यम). आनुपातिक प्रतिनिधित्व के कारण वाइमर गणराज्य की सरकारों पर क्या असर पड़ा?
उत्तर – इसकी वजह से हमेशा गठबंधन सरकारें बनती थीं जो अस्थिर होती थीं और जल्दी गिर जाती थीं।

प्रश्न 40 (कठिन). आपकी राय में, अनुच्छेद 48 वाइमर गणराज्य के लिए तानाशाही का रास्ता कैसे बन सकता था?
उत्तर – अनुच्छेद 48 राष्ट्रपति को बिना संसद की मंजूरी के आपातकाल लागू करने, नागरिक अधिकार रद्द करने और सीधे अध्यादेशों से शासन चलाने की शक्ति देता था। इस शक्ति का अत्यधिक उपयोग लोकतंत्र को कमजोर कर सकता था और एक व्यक्ति की मनमानी या तानाशाही को जन्म दे सकता था, क्योंकि राष्ट्रपति को रोकने वाला कोई नहीं था।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. हेलमुट के पिता को किस बात का डर था और उन्होंने क्या किया?

› हेलमुट के पिता एक डॉक्टर थे और नात्सी विचारधारा के समर्थक थे।

› द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी हार गया था और मित्र राष्ट्र (जैसे ब्रिटेन, अमेरिका) जीत गए थे।

› हेलमुट के पिता को डर था कि मित्र राष्ट्र उनके साथ वैसा ही बुरा बर्ताव करेंगे जैसा नाजियों ने अपाहिजों और यहूदियों के साथ किया था।

› इस डर के कारण, उन्होंने अपने परिवार को खत्म करने या अकेले आत्महत्या करने के बारे में सोचा और अंत में खुद को गोली मार ली।

उत्तर – हेलमुट के पिता को मित्र राष्ट्रों के बदले का डर था, जिसके कारण उन्होंने आत्महत्या कर ली।

उदाहरण 2. द्वितीय विश्व युद्ध का अंत कब हुआ और हिटलर ने अपनी हार के बाद क्या किया?

› सबसे पहले, हमें यह याद रखना होगा कि जर्मनी ने मित्रा राष्ट्रों के सामने मई 1945 में समर्पण किया था, जो द्वितीय विश्व युद्ध के अंत का प्रतीक था।

› दूसरा, हिटलर को अपनी हार का अंदाज़ा हो चुका था।

› तीसरा, अपनी हार स्वीकार करते हुए, हिटलर ने बर्लिन के एक बंकर में अपने प्रचार मंत्री ग्योबल्स के साथ, अपने पूरे परिवार सहित, अप्रैल 1945 में आत्महत्या कर ली थी।

उत्तर – द्वितीय विश्व युद्ध का अंत मई 1945 में जर्मनी के समर्पण के साथ हुआ। हिटलर ने अपनी हार के अंदाज़े के बाद अप्रैल 1945 में बर्लिन के एक बंकर में आत्महत्या कर ली थी।

उदाहरण 3. वाइमर गणराज्य की स्थापना कब और किस घटना के बाद हुई?

› पहला विश्व युद्ध 1914 से 1918 तक चला था।

› इस युद्ध में जर्मनी की हार हुई।

› जर्मनी के सम्राट ने पद त्याग दिया, जिससे वहां राजनीतिक खालीपन आ गया।

› इसी मौके पर जर्मनी की संसदीय पार्टियों ने वाइमर नामक स्थान पर एक राष्ट्रीय सभा बुलाई और एक लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना की।

उत्तर – वाइमर गणराज्य की स्थापना पहले विश्व युद्ध में जर्मनी की हार और सम्राट के पद त्याग के बाद हुई।

उदाहरण 4. वर्साय की संधि ने जर्मनी को किन मुख्य तरीकों से नुकसान पहुँचाया?

› पहला नुकसान था क्षेत्रीय: जर्मनी को अपने सारे उपनिवेश (colonies) खोने पड़े। इतना ही नहीं, उसका लगभग 13% भूभाग भी छिन गया, जिसमें फ्रांस और पोलैंड जैसे देशों को महत्वपूर्ण लौह और कोयला भंडार वाले इलाके मिले।

› दूसरा नुकसान था सैनिक: मित्र राष्ट्रों (Allied Powers) ने जर्मनी की सेना को भंग कर दिया, उसकी ताकत को पूरी तरह खत्म करने की कोशिश की।

› तीसरा और सबसे अपमानजनक था 'युद्ध अपराध बोध अनुच्छेद': इसके तहत जर्मनी को पहले विश्व युद्ध में हुई सारी तबाही के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया गया।

› चौथा था आर्थिक: युद्ध में हुए नुकसान की भरपाई के लिए जर्मनी पर 6 अरब पौंड का भारी हर्जाना (compensation)

लगा दिया गया, जो उस समय एक बहुत बड़ी रकम थी।

उत्तर – वर्साय की संधि ने जर्मनी को क्षेत्रीय नुकसान, सैन्य शक्ति का अंत, युद्ध अपराध का आरोप और भारी आर्थिक हर्जाना जैसे तरीकों से बुरी तरह नुकसान पहुँचाया।

उदाहरण 5. प्रथम विश्व युद्ध ने यूरोपीय महाद्वीप को आर्थिक रूप से कैसे प्रभावित किया?

› पहला विश्व युद्ध से पहले, यूरोप दुनिया में सबसे अमीर और शक्तिशाली महाद्वीप था।
› यह कई देशों को कर्ज़ देता था और 'कर्ज़ देने वालों का महाद्वीप' कहलाता था।
› युद्ध में बहुत सारा पैसा खर्च हुआ, हथियार और सेना पर।
› युद्ध खत्म होते-होते यूरोप ने खुद भारी कर्ज़ ले लिया था।
› इसलिए, वह 'कर्ज़दारों का महाद्वीप' बन गया, उसकी अर्थव्यवस्था बहुत कमज़ोर हो गई।

उत्तर – प्रथम विश्व युद्ध से पहले यूरोप कर्ज़ देने वाला था, लेकिन युद्ध के बाद वह भारी कर्ज़ में डूब गया और आर्थिक रूप से कमज़ोर हो गया, जिससे उसे 'कर्ज़दारों का महाद्वीप' कहा जाने लगा।

उदाहरण 6. जर्मनी में स्पार्टकिस्ट लीग ने किस तरह के शासन की वकालत की और वाइमर गणराज्य ने इसका सामना कैसे किया?

› स्पार्टकिस्ट लीग रूस की बोल्शेविक क्रांति से प्रेरित थी।
› उन्होंने जर्मनी में मजदूरों और नाविकों की 'सोवियतें' (परिषदें) बनाने का प्रस्ताव रखा।
› उनका लक्ष्य सोवियत-प्रकार की शासन व्यवस्था स्थापित करना था, जहाँ सत्ता सीधे श्रमिकों और सैनिकों के हाथ में हो।
› वाइमर गणराज्य, जो लोकतांत्रिक शासन स्थापित करना चाहता था, ने इस विद्रोह का कड़ा विरोध किया।
› वाइमर गणराज्य ने पुराने सैनिकों के संगठन 'फ्री कोर' की मदद से स्पार्टकिस्ट विद्रोह को बेरहमी से कुचल दिया।

उत्तर – स्पार्टकिस्ट लीग ने रूस की बोल्शेविक क्रांति से प्रेरित होकर सोवियत-प्रकार की शासन व्यवस्था की वकालत की, जहाँ मजदूरों और नाविकों की सोवियतें सत्ता संभालें। वाइमर गणराज्य ने 'फ्री कोर' नामक संगठन की मदद से इस विद्रोह को हिंसक रूप से दबा दिया।

उदाहरण 7. 1923 में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत पहले 24,000 जर्मन मार्क थी, जो दिसंबर में 9,88,60,000 मार्क हो गई। यह स्थिति क्या कहलाती है?

› पहला कदम: हमें समझना है कि यहाँ जर्मन मार्क की कीमत बहुत तेज़ी से गिर रही है, जबकि अमेरिकी डॉलर की कीमत बढ़ रही है।
› दूसरा कदम: यह स्थिति तब आती है जब किसी देश की सरकार बहुत ज़्यादा मुद्रा छापने लगती है, जिससे उस मुद्रा का मूल्य बहुत कम हो जाता है।
› तीसरा कदम: जब मुद्रा का मूल्य इतना गिर जाए कि एक छोटी सी चीज़ खरीदने के लिए भी बहुत सारे नोटों की ज़रूरत पड़े और कीमतें आसमान छूने लगें, तो उसे 'अति-मुद्रास्फीति' कहते हैं।

उत्तर – यह स्थिति 'अति-मुद्रास्फीति' (Hyperinflation) कहलाती है।

उदाहरण 8. डॉव्स योजना का जर्मनी पर क्या तात्कालिक प्रभाव पड़ा?

› यह योजना अमेरिका ने जर्मनी के आर्थिक संकट को सुलझाने के लिए बनाई थी।
› इसके तहत, जर्मनी पर लगे युद्ध हर्जाने की शर्तों को थोड़ा आसान किया गया।
› जर्मनी को अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए कुछ वित्तीय सहायता भी मिली।
› परिणामस्वरूप, जर्मनी में 1924 से 1928 तक कुछ हद तक आर्थिक स्थिरता लौटी।

उत्तर – डॉव्स योजना के कारण जर्मनी को युद्ध हर्जाना चुकाने में कुछ राहत मिली और 1924 से 1928 तक उसकी अर्थव्यवस्था में सापेक्ष स्थिरता आई, जिससे तात्कालिक आर्थिक संकट से कुछ हद तक उबरने में मदद मिली।

उदाहरण 9. 1929 की आर्थिक महामंदी का जर्मनी के औद्योगिक उत्पादन पर क्या असर हुआ था?

› महामंदी की शुरुआत अमेरिका के वॉल स्ट्रीट एक्सचेंज में हुई थी, जिससे पूरी दुनिया में आर्थिक संकट आ गया।

› जर्मनी की अर्थव्यवस्था अमेरिका के कर्ज़ों पर बहुत निर्भर थी, इसलिए वह सबसे ज़्यादा प्रभावित हुआ।

› उद्योगों को चलाने के लिए पैसे नहीं थे, माल बिक नहीं रहा था, इसलिए फैक्ट्रियाँ बंद होने लगीं।

› 1929 की तुलना में 1932 तक जर्मनी का औद्योगिक उत्पादन सिर्फ 40% रह गया था, यानी 60% की भारी गिरावट आई थी।

› लाखों मजदूर बेरोजगार हो गए और भुखमरी की नौबत आ गई।

उत्तर – 1929 की महामंदी के कारण 1932 तक जर्मनी का औद्योगिक उत्पादन 1929 के मुकाबले 60% गिरकर केवल 40% रह गया था।

उदाहरण 10. वाइमर गणराज्य की कौन सी दो प्रमुख राजनीतिक कमज़ोरियाँ थीं जिन्होंने उसे अस्थिर बनाया?

› सबसे पहली कमज़ोरी थी 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व'। इस नियम के तहत, चुनाव में जितनी वोटें मिलती थीं, उसी अनुपात में हर पार्टी को सीटें मिलती थीं।

› अब सुनो, इसका मतलब ये हुआ कि किसी भी एक पार्टी को कभी भी साफ़ बहुमत नहीं मिल पाता था। नतीजतन, हमेशा अलग-अलग छोटी-बड़ी पार्टियों को मिलाकर एक 'गठबंधन सरकार' बनानी पड़ती थी।

› सोचो, जब इतनी सारी पार्टियों को एक साथ काम करना हो, तो क्या वे किसी भी मुद्दे पर आसानी से सहमत हो पाएंगी? नहीं ना। इसी वजह से सरकारें बहुत कम समय के लिए बनती थीं और जल्दी-जल्दी गिर जाती थीं। कुल 20 सरकारें आईं, और एक भी सरकार 239 दिनों से ज़्यादा नहीं चल पाई।

› दूसरी बड़ी कमज़ोरी थी 'अनुच्छेद 48'। यह संविधान का एक ऐसा नियम था जिसने राष्ट्रपति को आपातकाल (emergency) लगाने की भयानक शक्ति दे दी थी।

› राष्ट्रपति बिना संसद की मर्ज़ी के, लोगों के सारे नागरिक अधिकार जैसे बोलने की आज़ादी, इकट्ठा होने की आज़ादी, सब रद्द कर सकता था। वह अध्यादेशों (यानि सीधे अपने आदेशों) से शासन चला सकता था, संसद की कोई ज़रूरत नहीं थी।

› यह शक्ति तो इतनी खतरनाक थी कि राष्ट्रपति जब चाहे तानाशाही कर सकता था। अगर कोई सरकार मुश्किल में होती, तो राष्ट्रपति अनुच्छेद 48 का इस्तेमाल करके अपनी मनमानी करता था, जिससे लोकतंत्र की जगह तानाशाही का डर बढ़ता चला गया।

उत्तर – वाइमर गणराज्य की दो प्रमुख राजनीतिक कमज़ोरियाँ 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व' और 'अनुच्छेद 48' थीं।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह कहानी नात्सीवाद के परिणामों को समझने की नींव है। बोर्ड परीक्षा में इसके भावनात्मक और मानवीय पहलुओं से जुड़े प्रश्न आ सकते हैं, इसलिए इसे ध्यान से समझो।

• न्यूरेम्बर्ग अदालत और नात्सी जनसंहार के आंकड़े बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर पूछे जाते हैं, इन्हें अच्छे से याद रखना।

• वाइमर गणराज्य के संविधान की मुख्य विशेषताएं, खासकर 'सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार' पर प्रश्न आ सकते हैं, इसे अच्छे से समझ लेना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वाइमर गणराज्य के पतन और नात्सीवाद के उदय की पृष्ठभूमि समझाता है। युद्ध के आर्थिक और मनोवैज्ञानिक प्रभावों पर अक्सर सीधा प्रश्न आता है।

• जर्मनी में राजनीतिक रैडिकलवाद, खासकर स्पार्टकिस्ट लीग के उदय और वाइमर गणराज्य द्वारा उसके दमन के कारण कम्युनिस्टों और समाजवादियों के बीच के स्थायी विभाजन पर अक्सर प्रश्न आते हैं। यह विभाजन ही आगे चलकर हिटलर के सत्ता में आने का एक बड़ा कारण बना, इसे ध्यान में रखना।

• यह 'अति-मुद्रास्फीति' वाला बिंदु बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। इसे उदाहरणों के साथ अच्छे से समझो और लिखो कि कैसे जर्मनी ने बहुत ज़्यादा नोट छापे और इससे उसकी अर्थव्यवस्था कैसे डूब गई।

• डॉव्स योजना और उसके बाद की सापेक्ष स्थिरता का समय अक्सर छोटे प्रश्नों में पूछा जाता है। ध्यान रखना कि यह अस्थायी समाधान था।

• वाइमर गणराज्य की राजनीतिक कमज़ोरियों पर सीधा प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। अनुच्छेद 48 और आनुपातिक प्रतिनिधित्व को उदाहरणों के साथ समझाना मत भूलना, यह बहुत महत्वपूर्ण है!

एक नज़र में रिवीज़न

› नात्सीवाद: भयानक विचारधारा, हेलमुट के पिता का डर, आत्महत्या।
› द्वितीय विश्व युद्ध का अंत (मई 1945), हिटलर की आत्महत्या, न्यूरेम्बर्ग अदालत, नात्सी जनसंहार।
› जर्मनी में प्रथम विश्व युद्ध हारने पर वाइमर गणराज्य का जन्म, लोकतांत्रिक संविधान व सार्वभौमिक मताधिकार।
› युद्ध से यूरोप कर्ज़दार बना, सैनिकों का महिमामंडन, आक्रामक मूल्यों को बढ़ावा।
› स्पार्टकिस्ट लीग (कम्युनिस्ट) ने सोवियत राज की मांग की; वाइमर गणराज्य ने कुचला; कम्युनिस्ट-समाजवादी शत्रु बने।
› 1923: जर्मनी का अति-मुद्रास्फीति संकट, फ्रांसीसी कब्ज़ा, कीमतें बेतहाशा बढ़ीं।
› डॉव्स योजना: अमेरिका ने जर्मनी के आर्थिक संकट, हर्जाना शर्तों को आसान किया; 1924-28 सापेक्ष स्थिरता।
› आनुपातिक प्रतिनिधित्व (गठबंधन सरकारें) और अनुच्छेद 48 (राष्ट्रपति की शक्तियां) वाइमर की कमज़ोरियाँ थीं।